

1893

भारत और अंग्रेज

को पढ़िये

संस्करण कथा—

पुस्तक व्यास जी

प्रकाशक—

श्री श्री—राष्ट्रिय—सुखमल्ल

काशी

मुद्रक—

श्री श्री—राष्ट्रिय—सुखमल्ल

काशी, विहार :

प्रकाशक

मुद्रक

मुद्रक

मास